बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

अच्छा सामरी

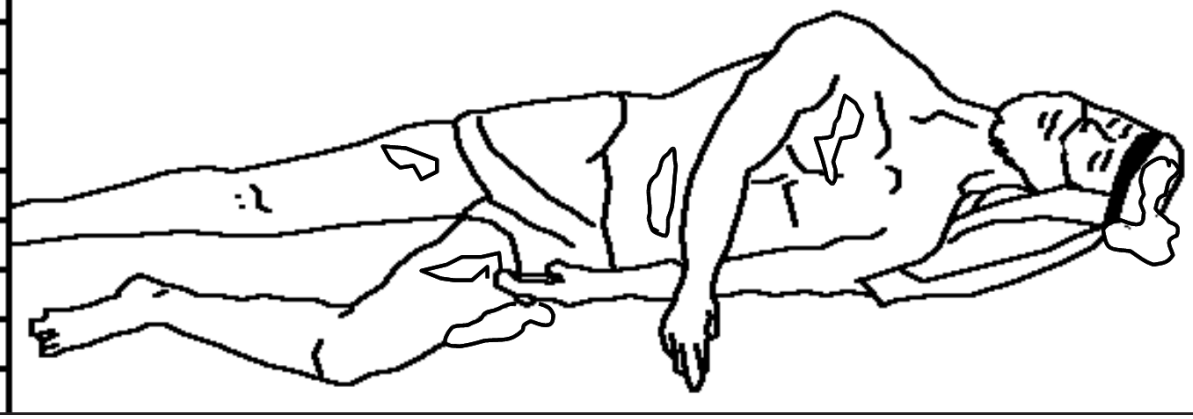

लेखक : Edward Hughes
अनुवाद : Suresh Kumar Masih
व्याख्याकार : M. Maillot; Lazarus
रूपान्तरकार : Ruth Klassen; Sarah S.

60 कहानियों में से 46 (पहला)

www.M1914.org

Bible for Children, *PO Box 3, Winnipeg, MB R3C 2G1 Canada*

अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

हिन्दी Hindi

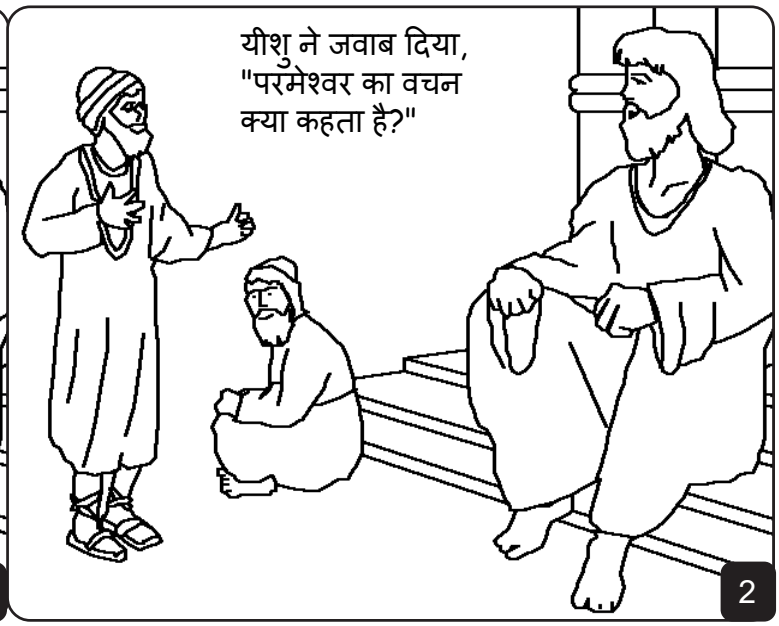

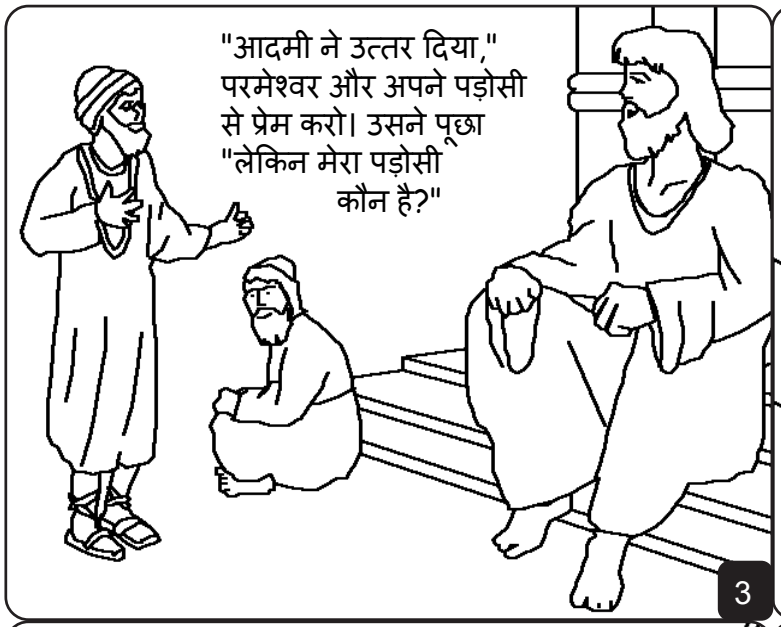
"आदमी ने उत्तर दिया," परमेश्वर और अपने पड़ोसी से प्रेम करो। उसने पूछा "लेकिन मेरा पड़ोसी कौन है?"
3

आदमी के सवाल का जवाब देने के लिए यीशु ने एक कहानी बतायी, जो यरूशलेम से यरीहो के रास्ते यात्रा पर था। चोरों ने आदमी पर हमला किया।
4

चोरों, को जो कुछ मिला वे सब कुछ चुरा लिए, यहाँ तक कि दुर्भाग्यपूर्ण यात्री के कपड़े भी ले लिये।
5

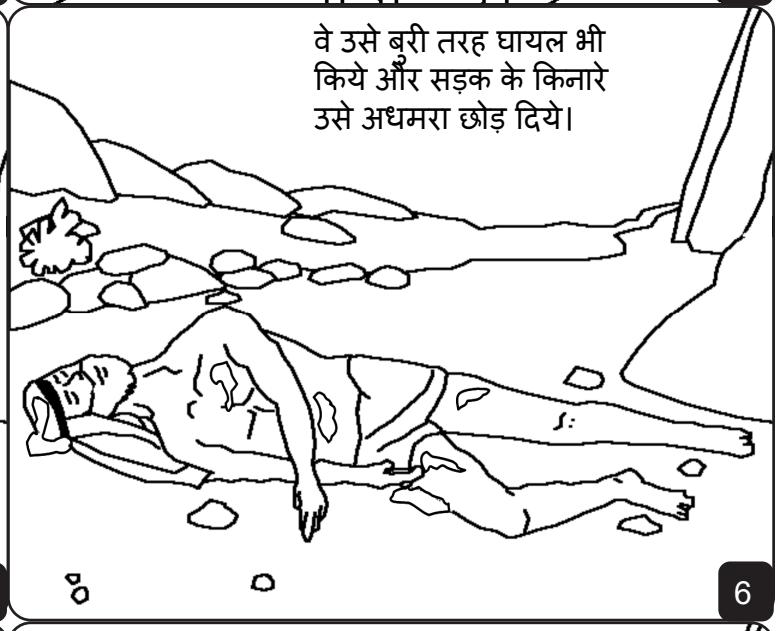
वे उसे बुरी तरह घायल भी किये और सड़क के किनारे उसे अधमरा छोड़ दिये।
6

संयोग से एक पुजारी वहां से गुजरा, निश्चित रूप से वह घायल आदमी की मदद करेगा।
7

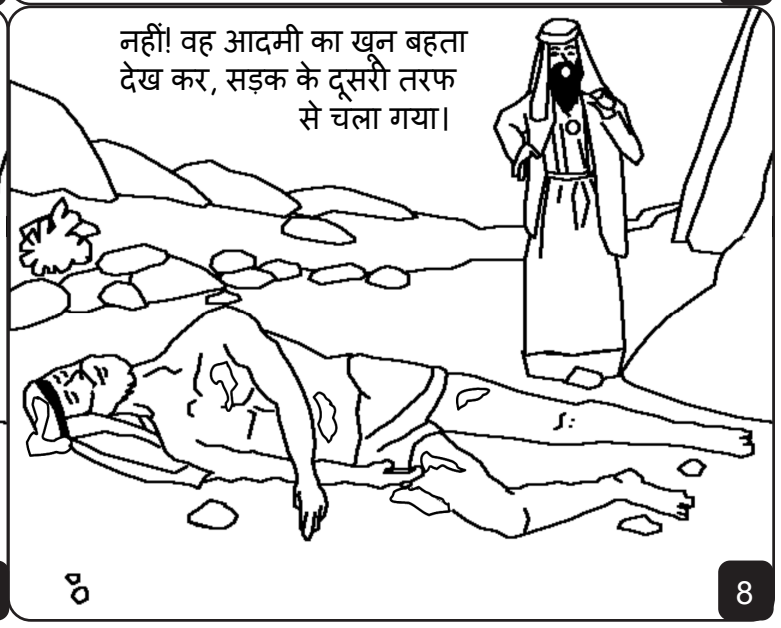
नहीं! वह आदमी का खून बहता देख कर, सड़क के दूसरी तरफ से चला गया।
8

जल्द ही पैर की आवाज दूसरे व्यक्ति के आने की आहट दी, वो एक लेवीय था जो मंदिर में याजकों की मदद करता था।

9

वह जाकर घायल आदमी को देखा। और तब मदद किये बिना दूर चला गया।

10

अंत में एक सामरी आदमी उसके पास आया। यहूदी लोग समरियों से नफरत करते थे।

11

यीशु की 'कहानी सुनते लोग एक सामरी को हीरो बनने की उम्मीद नहीं कर सकते थे। लेकिन वह था। सामरी ने परवाह की और मदद करने के लिए रुक गया।

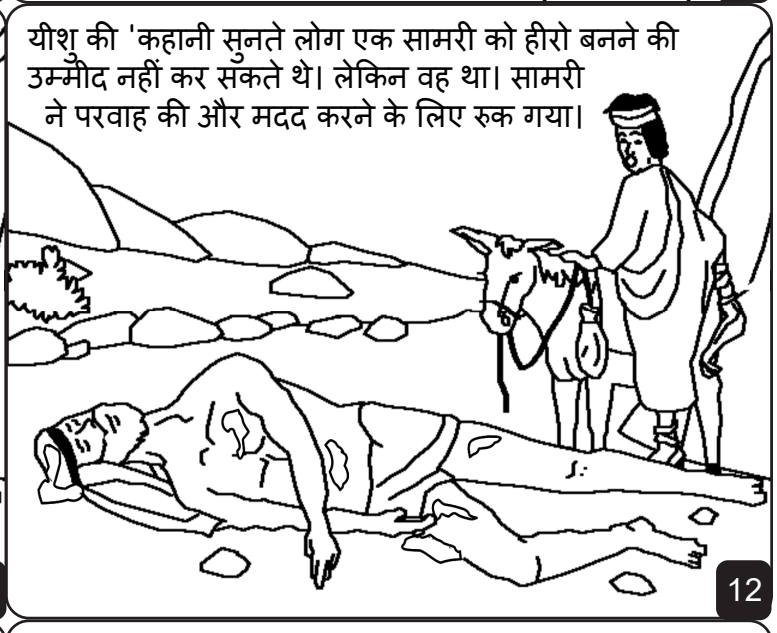

12

सामरी पुरुष अपने घुटने पर आकर अजनबी के घावों पर दवा और पट्टियाँ लगा दिया। फिर सहायता के लिए वह अपने ही गधे पर जख्मी पुरुष को बैठा लिया।

13

सामरी ने सारी रात उस आदमी की सड़क के किनारे सराय में देख भाल की।

14

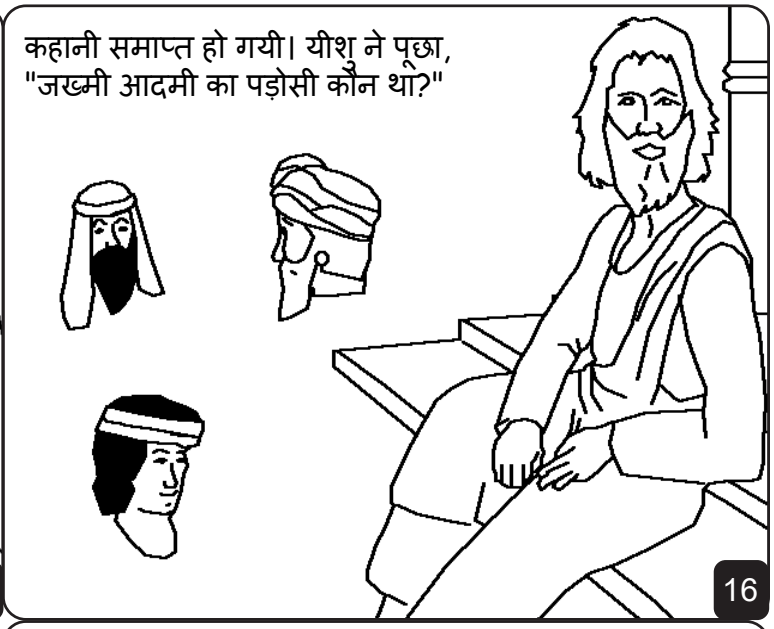

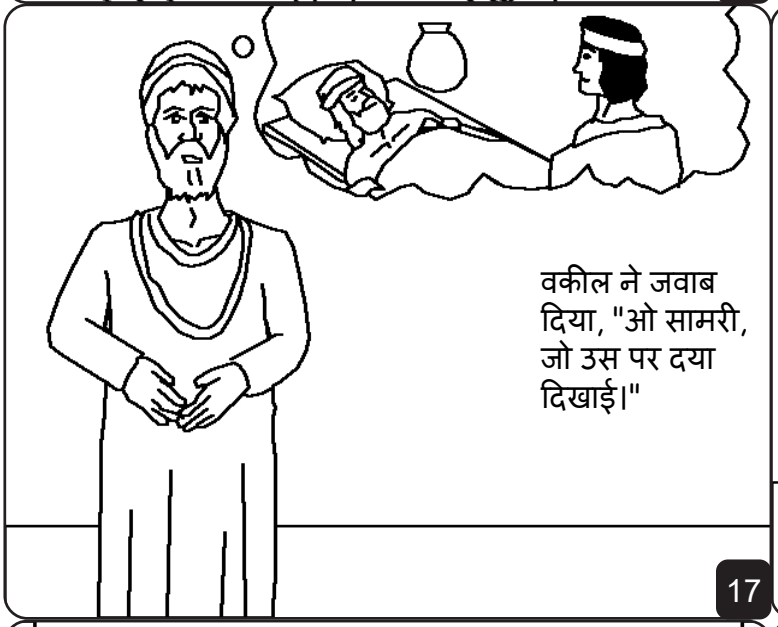

अच्छा सामरी

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

लूका 10

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

ईश्वर (परमेश्वर) जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप कहता है. पाप की सज़ा मौत है.

ईश्वर (परमेश्वर) हमसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने पुत्र यीशु को भेजा कि हमारे पापों की सज़ा के रूप में वह टिकटी (क्रॉस) पर चढ़ कर अपने प्राणों की बलि दे दे. यीशु मरकर फिर जीवित हुआ और पुन: स्वर्ग चला गया. ईश्वर (परमेश्वर) अब हमारे पापों को क्षमा कर सकता है.

यदि आप अपने गुनाहों और पापों से बचना चाहते हैं तो उससे दुआ करें; प्रिय ईश्वर (परमेश्वर) मुझे विश्वास है कि यीशु ने मेरे लिए अपने जीवन की बलि दी और अब पुन: जीवित हुआ है. हे ईश्वर (परमेश्वर) तू मेरी ज़िंदगी में आ और मेरे पापों को माफ कर दे ताकि मैं एक नई ज़िंदगी जी सकूं और हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ रह सकूं. हे ईश्वर (परमेश्वर) मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं.
आमीन. जॉन 3:16

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर (परमेश्वर) से बात करें.